

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्य जज	नम्बर अहकाम की तारीख
२४-०६-१५	<p>व्युत्पन्न उपनिवेश जका व प्रोपत्र पैरा वान का सामान्य है, सामान्य फिर्त जाता है। पत्रावली उपनिवेश दिनांक ०१-०७-२०१५ को पैरा है। <u>उप.</u></p>	
०१/०७/१५	<p>पत्रावली पैरा हुई आज S.D.O. साहब दोरे पर, दिग्ग कार्य में कीलों द्वारा कोर्ट कार्य स्थगित रखने से पत्रावली आयन्दा दिनांक २०/७/२०१५ को पैरा है। <u>उप.</u></p>	
२०/७	<p>पत्रावली पैरा हुई आज S.D.O. साहब दोरे पर, दिग्ग कार्य में कीलों द्वारा कोर्ट कार्य स्थगित रखने से पत्रावली आयन्दा दिनांक २०/०८/१५ को पैरा है। <u>उप.</u></p>	
१३/०८/१५	<p>पत्रावली पैरा हुई आज S.D.O. साहब दोरे पर, दिग्ग कार्य में कीलों द्वारा कोर्ट कार्य स्थगित रखने से पत्रावली आयन्दा दिनांक २९/०९/२०१५ को पैरा है। <u>उप.</u></p>	
२३-०९-१५	<p>व्युत्पन्न उपनिवेश पत्रावली कायमान प्रोपत्र पत्रावली कायमान प्रोपत्र दिनांक २२-०१-१५ का वान सांकी उपनिवेश का प्रोपत्र पैरा वान सांकी उपनिवेश कायमान प्रोपत्र सामान्य का फिलार् गार, सामान्य है। पत्रावली वास्तविक प्रोपत्र सामान्य दिनांक ०२-०९-१५ का पत्र है। <u>उप.</u></p>	
०२-१२-१५	<p>व्युत्पन्न उपनिवेश वास्तविक प्रोपत्र का सामान्य-वास्तविक है, सामान्य फिर्त जाता है। पत्रावली सामान्य दिनांक १२-०२-१५ का पत्र है। <u>उप.</u></p>	
१७-०२-१५	<p>पत्रावली पैरा हुई आज S.D.O. साहब दोरे पर, दिग्ग कार्य में कीलों द्वारा कोर्ट कार्य स्थगित रखने से पत्रावली आयन्दा दिनांक १३-०४-१५ को पैरा है। <u>उप.</u></p>	
१३-०४-१५	<p>व्युत्पन्न उपनिवेश वास्तविक प्रोपत्र का सामान्य-वास्तविक है, सामान्य फिर्त दिनांक १६-०६-२०१५ का पैरा है। <u>उप.</u></p>	
२७/११/१५	<p>राज्य सरकार/जिला कलक्टर महोदय, पारली के आदेशानुसार 'अधिकांश गजस्थ लोक अदालत, पैरा वान सांकी उपनिवेश मुख्यालय' प्रांतीय अदालत सेवा केंद्र पर दिनांक ११/०९/१५ को पैरा है। <u>उप.</u></p>	
०६-०५-१५	<p>व्युत्पन्न उपनिवेश वकील मय सामान्य का प्रोपत्र पत्र पत्रावली कायमान प्रोपत्र है। <u>उप.</u></p>	

रूपाराम
२१/१२/१५
व्युत्पन्न म

हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस हुकम
की तामील में जारी हुए

वकील अथ सापदान न प्रत्यक्ष केवल निवेदन
दिया है कि उक्त सापदान के प्रत्यक्ष प्रमाण
में सापदान एवं वेणसा के पारिवाट गौव के
सापदा सम्बन्धित से सापदा में राजीनामा दिये
है सापदान के वेणसा के पारिवाट गौव के
जिसमें गौव के पारिवाट गौव के पारिवाट गौव के
से लवाट जाके निवेदन दया के लिए किया
जा चुका है।
इतः वकील अथ सापदान का उत्तर
प्रस्तुत प्रमाणों के लिए निवेदन दया के लिए किया
जाता है पत्रावली के मध्य से उक्त प्रमाणों का
आदि तामील जाकर पारिवाट गौव के पारिवाट गौव के
जमा है।
S.D.